**मूर्ख लोग तुरन्त अपना क्रोध प्रकट कर देते हैं,
परन्तु बुद्धिमान लोग अपमान को अनदेखा कर देते हैं (नीतिवचन 12:16) एक कहावत की
कहानीटेड हिल्डेब्रांट और चैटग्ट द्वारा**

विंडमेयर के हलचल भरे गांव में, जहां गपशप आग से भी तेजी से फैलती थी और गर्व को सम्मान के प्रतीक की तरह पहना जाता था, एलियास नाम का एक लंबा, मांसल आदमी रहता था। वह अपनी ताकत, अपने चतुर हाथों और दुर्भाग्य से, अपने गुस्सैल स्वभाव के लिए जाना जाता था। एक लापरवाह शब्द, एक खराब तरीके से छिपाई गई हंसी, और एलियास का गुस्सा जलती हुई माचिस की आग की तरह भड़क उठता था।

शरद ऋतु की एक ठंडी सुबह, गांव का चौक फसल उत्सव की तैयारियों से गुलजार था। स्टॉल लगाए जा रहे थे, खिड़कियों पर पाई ठंडी की जा रही थी, और बच्चे गाड़ियों के बीच हंसते हुए दौड़ रहे थे। एलियास, अपने कंधे पर सेबों की एक भारी टोकरी लिए, भीड़ के बीच से मार्च कर रहा था, तभी उसने कुछ युवकों के समूह को फुसफुसाते और हंसते हुए सुना।

"सावधान!" एक ने एलियास को अपमानजनक टिप्पणी करते हुए चिल्लाया, मानो यह उसका अपमान करने का इरादा हो: "बूढ़ा बैल अपने चरागाह से भाग गया है!"

इसके बाद जो हंसी आई, वह किसी कांटे से भी ज़्यादा चुभने वाली थी। इलियास ने लाल चेहरे के साथ घूमकर उन्हें ऐसा सबक सिखाने की तैयारी की, जिसे वे कभी नहीं भूलेंगे। उसकी मुट्टियाँ उसकी बगलों पर कसी हुई थीं, और एक पल के लिए, पूरे चौक में मानो साँस रुक गई थी।

लेकिन इससे पहले कि वह कुछ कर पाता, एक बूढ़े आदमी की आवाज सुनाई दी, "एलियास! एक बात, अगर तुम चाहो तो।"

यह मास्टर रोवन था, जो गांव का एक बुजुर्ग था। उम्र के कारण झुका हुआ लेकिन बुद्धि के मामले में वह बहुत तेज था, रोवन ने उसे इशारा करके बुलाया। अनिच्छा से, एलियास ने उन युवाओं से मुंह मोड़ लिया और बूढ़े व्यक्ति की ओर देखा, जो अपमान से जल रहा था और बदला लेने के लिए उबल रहा था।

रोवन की आँखें चमक उठीं और वह धीरे से बोला। "आपके पास दो विकल्प हैं। आप उन्हें अपना गुस्सा दिखा सकते हैं, उन्हें सही साबित कर सकते हैं और उनकी हँसी को और बढ़ा सकते हैं। या फिर आप मुस्कुरा सकते हैं, आगे बढ़ सकते हैं और उन्हें यह सोचने पर मजबूर कर सकते हैं कि उनके तीखे मज़ाक क्यों बेकार हो गए।"

इलियास ने भौंहेँ सिकोड़ीं। "मैं उन्हें मेरा अपमान करने दूँ और कुछ न करूँ?"

रोवन ने ठहाका लगाया। "क्योंकि हर लड़ाई लड़ने लायक नहीं होती। और हर अपमान का जवाब देना उचित नहीं होता। जैसा कि पुरानी कहावत है: 'मूर्ख तुरंत अपना गुस्सा दिखा देते हैं, लेकिन समझदार अपमान को नज़रअंदाज़ कर देते हैं।'"

इलियास हिचकिचाया; उसके गुस्से का प्रकोप उसके सीने में फटने के लिए तैयार एक जलते हुए बम की तरह था। लेकिन उसने धीरे से सिर हिलाया। "मैं कोशिश करूँगा।"

जैसे-जैसे उत्सव आगे बढ़ा, लड़कों के उसी समूह ने दूसरी बार मज़ाक उड़ाया। एलियास ने शब्दों को पकड़ लिया - उसके बारे में कुछ ऐसा कि वह बैल की तरह अनाड़ी था - और उसके गालों में परिचित गर्मी महसूस हुई। लेकिन इस बार, वह केवल मुस्कुराया, अपनी टोपी उतारी, और बक्से को ढेर करना जारी रखा, उन्हें अनदेखा करते हुए जैसे कि उसने कुछ भी नहीं सुना हो।

लड़कों ने पलकें झपकाईं, उनके चेहरों पर उलझन झलक रही थी। एक ने दूसरे को धक्का दिया। "शायद उसने हमें नहीं सुना," दूसरे ने फुसफुसाया। उनकी हंसी लड़खड़ा गई, फिर अजीब सी खामोशी में बदल गई।

शाम तक, एलियास के अप्रत्याशित शांत स्वभाव की चर्चा फैल गई। कुछ लोगों ने उसके संयम की प्रशंसा की, तो कुछ ने उसके अचानक विवेक पर अटकलें लगाईं। यहां तक कि युवाओं ने भी देखा कि उनके ताने बेकार गए, इसलिए उन्होंने जल्द ही रुचि खो दी और आगे बढ़ गए।

बाद में रोवन ने एलियास को आग के पास बैठकर सेब का रस पीते हुए पाया। बूढ़े आदमी ने मुस्कुराते हुए कहा, "तुमने बहुत जल्दी सीख लिया।"

इलियास ने कंधे उचकाये, "यह आसान नहीं था।"

"सही बात शायद ही कभी सही होती है," रोवन ने कहा। उसने टोस्ट में अपना मग उठाया। "विवेक के संयम के लिए - कड़ी मेहनत से जीता और अच्छी तरह से रखा गया।"

एलियास मुस्कुराया, उसे शहर के पुराने संत ने सम्मानित किया। शायद सच्ची ताकत अपने दुश्मनों को मुट्टियों से कुचलने में नहीं थी, बल्कि गुस्से में बदला लेने के लिए मूर्ख की तरह झुंझलाहट में फूटने से इनकार करने में थी, बल्कि समझदारी और विवेक दिखाने में थी जैसा कि कहावत ने उसे निर्देश दिया था: "मूर्ख अपनी झुंझलाहट तुरंत प्रकट करते हैं, लेकिन समझदार अपमान को अनदेखा करते हैं" (नीतिवचन 12:16)।